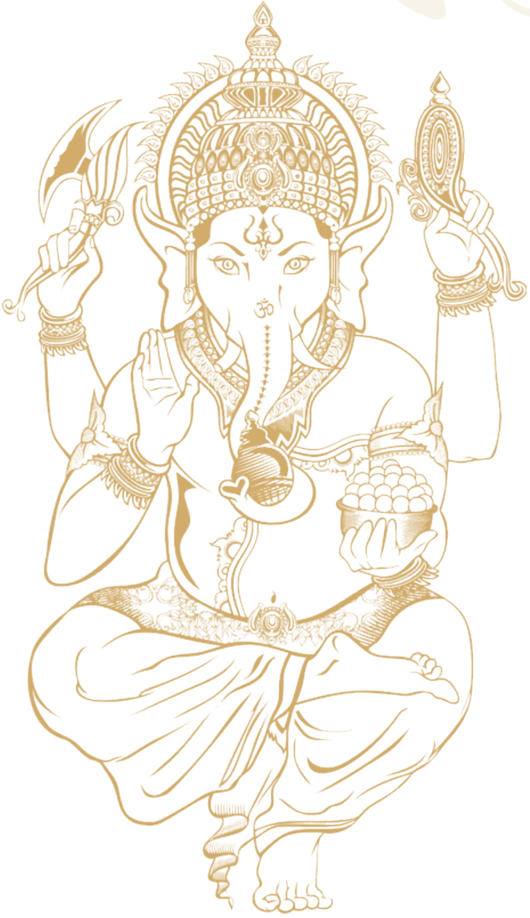

Mr.

13 Mar 2026

06:26 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121576603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/03/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:26:00 घंटे**
इष्ट	29:40:56 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:04:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:30 घंटे
साम्पातिक काल	05:29:33 घंटे
सूर्योदय	06:33:37 घंटे
सूर्यास्त	18:28:07 घंटे
दिनमान	11:54:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	28:43:40 कुम्भ
लग्न के अंश	29:04:22 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा-फारुख
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:04:22	317:45:55	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	मंगल	---
सूर्य			कुंभ	28:43:40	00:59:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	22:16:28	12:11:34	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	14:23:49	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	16:59:49	00:44:33	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मिथु	20:52:19	00:00:28	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	14:35:15	01:14:29	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:01:26	00:07:25	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:40:45	00:01:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:40:45	00:01:12	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:50:25	00:01:53	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:16:52	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:37:29	00:01:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	28:47:16	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

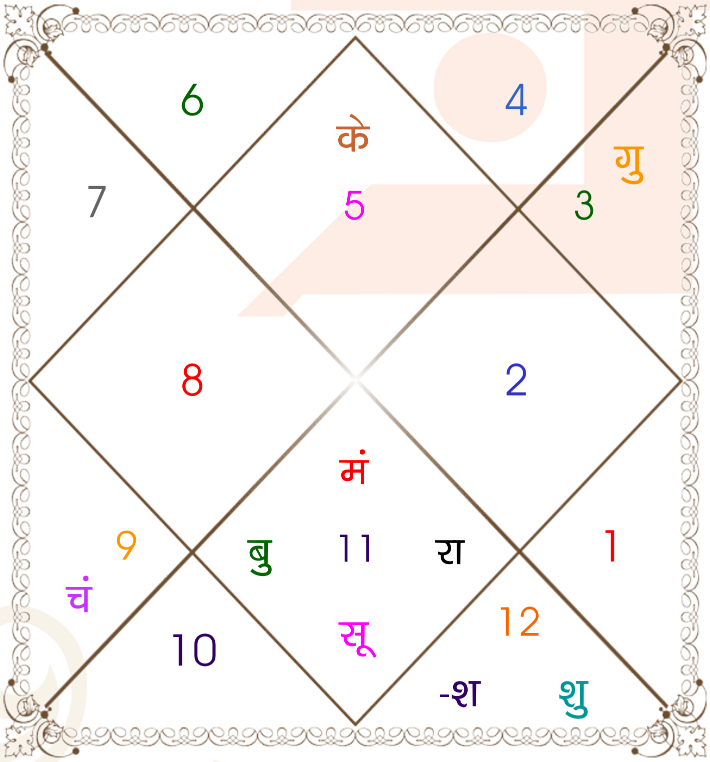

चन्द्र कुंडली

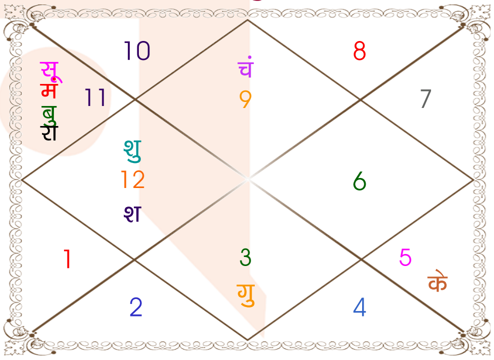

नवमांश कुंडली

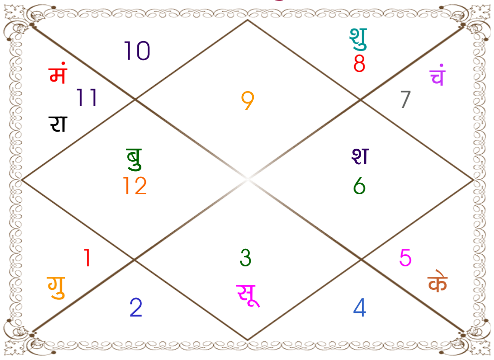

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 7 मास 1 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/03/2026		14/10/2032		14/10/2038		14/10/2048		14/10/2055	
14/10/2032		14/10/2038		14/10/2048		14/10/2055		14/10/2073	
	00/00/0000	सूर्य	31/01/2033	चंद्र	14/08/2039	मंगल	12/03/2049	राहु	27/06/2058
	00/00/0000	चंद्र	02/08/2033	मंगल	15/03/2040	राहु	30/03/2050	गुरु	19/11/2060
	00/00/0000	मंगल	08/12/2033	राहु	13/09/2041	गुरु	06/03/2051	शनि	26/09/2063
	00/00/0000	राहु	01/11/2034	गुरु	13/01/2043	शनि	14/04/2052	बुध	14/04/2066
	00/00/0000	गुरु	21/08/2035	शनि	14/08/2044	बुध	11/04/2053	केतु	03/05/2067
	13/03/2026	शनि	02/08/2036	बुध	13/01/2046	केतु	07/09/2053	शुक्र	03/05/2070
शनि	14/10/2028	बुध	08/06/2037	केतु	14/08/2046	शुक्र	07/11/2054	सूर्य	27/03/2071
बुध	14/08/2031	केतु	14/10/2037	शुक्र	14/04/2048	सूर्य	15/03/2055	चंद्र	25/09/2072
केतु	14/10/2032	शुक्र	14/10/2038	सूर्य	14/10/2048	चंद्र	14/10/2055	मंगल	14/10/2073

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
14/10/2073		14/10/2089		15/10/2108		15/10/2125		15/10/2132	
14/10/2089		15/10/2108		15/10/2125		15/10/2132		00/00/0000	
गुरु	02/12/2075	शनि	17/10/2092	बुध	13/03/2111	केतु	13/03/2126	शुक्र	14/02/2136
शनि	14/06/2078	बुध	27/06/2095	केतु	09/03/2112	शुक्र	13/05/2127	सूर्य	13/02/2137
बुध	19/09/2080	केतु	05/08/2096	शुक्र	08/01/2115	सूर्य	18/09/2127	चंद्र	15/10/2138
केतु	26/08/2081	शुक्र	05/10/2099	सूर्य	15/11/2115	चंद्र	18/04/2128	मंगल	15/12/2139
शुक्र	26/04/2084	सूर्य	17/09/2100	चंद्र	15/04/2117	मंगल	14/09/2128	राहु	15/12/2142
सूर्य	12/02/2085	चंद्र	19/04/2102	मंगल	12/04/2118	राहु	03/10/2129	गुरु	15/08/2145
चंद्र	14/06/2086	मंगल	28/05/2103	राहु	30/10/2120	गुरु	09/09/2130	शनि	14/03/2146
मंगल	21/05/2087	राहु	03/04/2106	गुरु	05/02/2123	शनि	18/10/2131		00/00/0000
राहु	14/10/2089	गुरु	15/10/2108	शनि	15/10/2125	बुध	15/10/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 6 वर्ष 6 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।